घटनास्थल प्रबन्धन प्रोटोकॉल

डा0 श्याम बिहारी उपाध्याय,
निदेशक

विधि विज्ञान प्रयोगशाला, उ0प्र0,
लखनऊ

घटनास्थल प्रबन्धन प्रोटोकॉल

विवेचना अधिकारी द्वारा यह सदैव याद रखना वांछित है कि घटनास्थल एवं अपराध से संबंधित साक्ष्य पुनः उसी मूल स्थिति में नहीं प्राप्त हो सकते। अतः घटनास्थल छोड़ते समय निम्न बिन्दुओं का कदापि विस्मरण नहीं करना चाहिए।

..1-.General Instructions

- This court would also like to be furnished with details of a protocol that may have already been or is in the process of being developed as to how investigation is actually to be carried out when a major crime by known or unknown offenders is reported. We would like to informed whether the protocol mentions points such as whether the scene of the crime is to be cordoned off by a coloured ribbon by the investigating officer, where no one except the investigators and the forensic experts may enter, their manner of collecting samples, so that it is not tampered with. Even politicians, senior district officials, VIPs and media should not have permission to enter such areas. How much area should be corded by the ribbon. It is a depending upon investigating officers. The manner and time frame by which the photographers and other specialized forensic personnel of different fields are to carry out their tasks- dog squad, finger or foot print collection, hair , vomit, excreta, blood or seminal stains and other items for DNA or other testing also needs to be spelt out.

1. सामान्य निर्देशः–

- अज्ञात अथवा ज्ञात संज्ञेय अपराधों में वास्तविक एवं सही ढंग से अन्वेषण करने के संबंध में प्रोटोकाल विवरण जो बन गये हैं, या जो बनाये जाने शेष हैं, को प्रेषित करने हेतु न्यायालय द्वारा निर्देशित किया गया है। प्रोटोकॉल बिन्दु जैसे–विवेचनाअधिकारी द्वारा रंगीन फीते द्वारा घटनास्थल को घेरना और वहॉ पर साक्ष्य नमूने एकत्रित करने वालों जैसे–विवेचनाधिकारियों व फॉरेन्सिक विशेषज्ञ के अलावा राजनीतिज्ञ, वरिष्ठ जनपद अधिकारी, अति विशिष्ट व्यक्ति, मीडिया को अपराधस्थल में प्रवेश की अनुमति न्यायालय द्वारा न देने हेतु न्यायालय द्वारा निर्देश दिये गये हैं। न्यायालय द्वारा यह निर्देशित किया गया है कि विवेचनाधिकारी द्वारा अपराधस्थल का कितना भाग फीते से घेरना है व उसकी विवेचना से सम्बन्धित आवश्यकता पर निर्भर होगा। फिंगर प्रिन्ट, फुट प्रिन्ट, बाल, उल्टी, रक्त, वीर्य और डीएनए आदि के नमूने एकत्रित करने हेतु फोटोग्राफर, डागस्क्वायड व अन्य विशेषज्ञों का समय विवेचना में अलग से न्यायालय द्वारा निर्धारित करने हेतु निर्देश दिये गये हैं। (हिन्दी पैराग्राफ में विरोधाभास होने पर अंग्रेजी पैराग्राफ ही मान्य समझा जाये)

2. घटनास्थलः–

- घटनास्थल पर पायी गयी किसी भी वस्तु की स्थिति को फोटोग्राफी, पंचनामा, वीडियोग्राफी का विवरणनोट किये बिना परिवर्तित नहीं करना चाहिए।
- फर्नीचर, दरवाजों , खिड़कियों, पर्दों, टैपस्ट्री कारपेट, चारपाई, बिछावन, परदों, फिक्सर, फिटिंग्स आदि का विवरण नोट करना छोड़ना नहीं चाहिए।
- रक्त के धब्बे, वीर्य, मूत्र, पसीना, पेन्ट, रेशे व बालों की अनदेखी न करें एवं जो वस्तुएं किसी कट मार्क द्वारा प्रभावित हुयी हो उन्हें सुरखित रखें।
- बोतल, कन्टेनर्स, ग्लास, पात्रों की स्थिति नोट करें कि वह खाली आधी भरी अथवा पूर्ण भरी अवस्था में है या उनमें उपस्थित द्रव विषैला है अथवा अल्कोहल है।
- दृष्टिगत समस्त वस्तुओं को सुरक्षित करे यह संभव है कि तात्कालिक रूप से वह अनुपयोगी हो किन्तु बाद में वह महत्वपूर्ण सिद्ध हो।
- प्रत्येक सन्देहास्पद कपड़े, रेशे, बाल, कागज, दस्तावेज आदि का संकलन करना न भूलें क्योंकि अपराधी से इनका सम्बन्ध हो सकता है।
- घटनास्थल को असुरक्षित न छोड़े घटनास्थल की सुरक्षा हेतु किसी की ड्यूटी लगाये।
- किसी भी वस्तु यथा सिगरेट के टुकड़े, सिगरेट की राख, पदचिन्ह, जूतों के निशान एवं अंगुलि चिन्हों आदि को कभी भी नोट करना न भूले क्योंकि वह अभियुक्त तक पहुॅचने के लिए एक कड़ी के रूप में सिद्ध हो सकती है।
- घटनास्थल निरीक्षण पूर्ण होने तक दरवाजों, खिड़कियों, तालों, सीढ़ी, प्रकाश स्रोतों, पंखों, आने तथा जाने के मार्ग को मूल रूप में बनाये रखें।
- अपराधस्थल से संबंधित बाथरूम, शौचालय, वाशबेसिन व टेलीफोन का प्रयोग कदापि न करें।
- विवेचना के दौरान सभी महत्वपूर्ण आवश्यक प्रतिवेदनों (धनात्मक व ऋणात्मक) को प्रारम्भिक परीक्षण रिपोर्ट में सम्मिलित करना न भूलें।
- सदैव घटनास्थल रिपोर्ट में फोटोग्राफ्स, नक्शों व स्केचिंग को सम्मिलित करें।

3. फोटोग्राफीः–

- समस्त महत्वपूर्ण एवं जघन्य अपराधों के घटनास्थलों को श्वेतश्याम अथवा रंगीन फोटोग्राफी द्वारा रिकार्ड करें।
- हत्या, संदिग्ध मृत्यु, फाँसी, जलने (बर्निंग), डूबने व सड़क दुर्घटना जैसे मामलों में निरीक्षण के दौरान लाश का फोटाग्राफ लेना न भूले।
- इमारतों, रोड, सड़क, बाउन्ड्री, दीवार, दरवाजों, खिड़कियों, खम्भों, पेड़ों आदि की सापेक्ष स्थिति हमेशा नोट करें क्योंकि यह परिस्थितिजन्य साक्ष्यों की स्थिति स्पष्ट कर सकते हैं।

- चोटों, लिगेचर मार्क, घिसटन के निशानों , खुरचने के निशानों , फटने व सूजन जो पीड़ित के शरीर पर हो के फोटोग्राफ लेना न भूलें।
- औजारों के निशान, टायरों के निशान, स्किड चिन्ह, पदचिन्हों एवं जूतों के निशानों की फोटोग्राफी करते समय स्केल का सदैव प्रयोग करें।
- फोटोग्राफ महत्वपूर्ण एवं सत्यता के प्रतिरूप होने चाहिए।
- वस्तुओं का एक दूसरे से संबंध तथा वस्तुओं की स्थिति फोटोग्राफ में स्पष्ट होनी चाहिए जो पिछली पृष्ठभूमि को दर्शा सके।
- रिकार्ड किये गये फोटोग्राफ में समय, दिनांक, अभियोग संख्या, थाना, स्थान एवं फोटाग्राफर का नाम अंकित होना चाहिए।
- प्रवेश एवं निकलने के स्थान की फोटोग्राफी करना न भूले।

4. स्केचिंगः—

- मोटर वाहन दुर्घटना, हत्या तथा आग्नेयास्त्र प्रकरणों के घटनास्थल का नक्शा बनाना न छोड़े।
- विभिन्न वस्तुओं, फिटिंग्स, फर्नीचर, वाहन, लाश तथा अस्त्रों की सापेक्ष स्थिति का नक्शें में उल्लेख करना न भूलें।
- नक्शें में सड़क, दीवार, नदी, कुँए, मकान, रेलवे लाईन तथा पेड़ों आदि की सापेक्ष स्थिति का अवश्य उल्लेख करें।
- नक्शें में शरीर के ऊपर पहचान चिन्ह (जोड़ने का निशान), चोटों तथा अन्य चिन्हों का उल्लेख अवश्य करें।
- नक्शें में दिशाओं का उल्लेख अवश्य करें, उत्तर दिशा को सदैव ऊपर की ओर दर्शायें।
- नक्शे में अभियोग संख्या थाना, समय, दिनांक तथा स्थान (घटनास्थल) का उल्लेख अवश्य करें।
- सदैव दूरियों को टेप द्वारा नापे तथा लगभग दूरी न दर्शायें।
- सदैव प्रचलित संकेतों, अक्षरों, का प्रयोग करें तथा अंकों की भीड़ एकत्रित न होने दें।

5. अज्ञात शवः—

- संदिग्ध मृत्यु, दुर्घटना एवं हत्या के मामलों में अज्ञात मृतकों की पहचान करने की अनदेखी न करें।
- अज्ञात शव पर पाये गये गोदना/तिल की फोटोग्राफी करें तथा विशेषकर चोटों की पहचान करें।
- जहॉ तक सम्भव हो अज्ञात मृतक के ॲगुलि चिन्ह स्याही से लेना न भूले।
- पोस्टमार्टम सर्जन को ॲगुलियों की त्वचा संरक्षित करने को कहें।

- अज्ञात मृतक के शरीर के कपड़ों में उपस्थित टेलर चिन्हों, ड्राई क्लीनर मार्क को नोट करना न भूलें।
- अज्ञात मृतक के पास से प्राप्त ड्राइविंग लाइसेन्स, व्यक्तिगत वस्तुओं, परिचय पत्र, पैनकार्ड, क्रेडिट कार्ड तथा एटीएम कार्ड के आधार पर पहचान करें।
- भ्रूण हत्या, शिशुवध के प्रकरणों में भ्रूण एवं शिशु की आयु की जानकारी अवश्य करें।
- जाँच करने हेतु हड्डियों को अवश्य भेजें यदि कंकाल मिला हो तो लिंग, आयु, लम्बाई, फ्रेक्चर से संबंधित डाटा अवश्य प्राप्त करें।
- छोटी से छोटी हड्डियों को कब्जे में लें क्योंकि इनमें जहर देने,चोटों व मृत्यु के कारण से संबंधित साक्ष्य हो सकते हैं।

6. पोस्टमार्टम व मेडीकोलीगल परीक्षणः—

अप्राकृतिक व संदिग्ध मृत्यु के मामलों में पोस्टमार्टम अवश्य करायें।
चिकित्सक द्वारा सभी महत्वपूर्ण बिन्दुओं (धनात्मक या ऋणात्मक) का उल्लेख किया गया है यह सुनिश्चित करें।
चिकित्सकीय रिपोर्ट में अंकित चोटों व अन्य महत्वपूर्ण चिन्हों से संबंधित आपकी राय में विरोधाभास तो नहीं है यह सुनिश्चत कर लें।
पोस्टमार्टम प्रपत्र में चिकित्सक द्वारा सभी महत्वपूर्ण बिन्दुओं को भरा गया है इसकी जाँच करना न भूलें।
चोटों व अन्य बिन्दुओं पर विरोधाभास होने पर मजिस्ट्रेट को सूचित करना न भूलें।
विधि विज्ञान प्रयोगशाला भेजने से पूर्व चिकित्सक से मेडीकोलीगल प्रदर्शों के संबंध में प्राथमिक राय अवश्य लें।
विसरा, रक्त, ऊतक आदि हेतु सही परिरक्षक का प्रयोग किया गया है यह सुनिश्चित करें।

- चिकित्सक से ज्ञात करें कि विसरा तथा स्टमक वाश आदि नार्मल सैलाइन में तथा हिस्टो पैथोलोजी परीक्षण हेतु अन्य आन्तरिक ऊतकों को फार्मालीन में संरक्षित किया गया है।
- साँप काटने के मामले में काटने के स्थान की त्वचा का टुकड़ा संरक्षित किया गया है या नहीं सुनिश्चित कर लें।
- चिकित्सक से यह अवश्य ज्ञात करें कि जलने के मामले में श्वास नली में कार्बन कणों की उपस्थिति हेतु तथा डूबने के मामले में डायटम की उपस्थिति हेतु फीमर अथवा टिबिया—हड्डी संरक्षित की गयी है।
- विसरा, स्टमक कन्टेन्ट्स एवं रक्त को परीक्षण हेतु प्रयोगशाला भेजने में विलम्ब न करें।

7. हत्याः—

- हत्या के पूर्व मृतक की गतिविधि तथा हत्या किये जाने के उद्‌देश्य हेतु तथ्य एकत्रित किये जाने चाहिए।
- हत्या के उद्‌देश्य की पुष्टि हेतु परिस्थितिजन्य साक्ष्यों को एकत्र करना न भूले।
- सभी दिशाओं से चोटों तथा अन्य निशानों को दर्शाने के लिये शव की फोटाग्राफी करना चाहिए।
- अभियुक्त के शरीर पर संघर्ष के कारण आयी चोटों को साक्ष्य के रूप में देखना न भूलें।
- अभियुक्त के कटे कपड़े एवं कपड़ों पर रक्त के धब्बों को न भूलें।
- अपराधी के नाखूनों में रक्त को नोट करना न भूलें।
- गला घोटने के मामले में संघर्ष एवं हिंसा के निशान को देखना न भूलें।
- विष द्वारा हत्या के मामले में विसरा प्रिजर्वेशन की श्रंखलाबद्ध कड़ी को नहीं भूलना चाहिए।
- जलने से हुई हत्या के मामले में परिस्थितिजन्य साक्ष्य जैसे स्टोव, मिट्‌टी के तेल के कन्टेनर, लिड की स्थिति, माचिस की स्थिति, धुँए का पैटर्न (क्रम) भी देखें।

8. आत्महत्याः–

- आत्महत्या का केस जब तक सिद्ध न हो जाये उसे हत्या समझना चाहिए। पोस्टमार्टम कराना न भूलें।
- मृतक के शरीर पर उत्पन्न चोटों का प्रकार, स्थिति, दिशा एवं आकार का सूक्ष्मता से अध्ययन करें।
- लाश की स्थिति को कैडावेरिक फार्म में विशेषतः देखना चाहिए यह एन्टीमार्टम जलने को इंगित करता है।
- जलने के केस में डिग्री आफ बर्न (जलने के प्रतिशत) को नोट करना नहीं भूलना चाहिए।
- आग्नेयास्त्र के मामले में आग्नेयास्त्र हाथ में किस स्थिति में हैं देखना चाहिए।
- फाँसी के मामले अपराध स्थल का विस्तृत सर्वे करना चाहिए कि लिगेचर मार्क लिगेचर वस्तु से मेल खाता है कि नहीं।
- फाँसी के मामले में जमीन से लटकने के स्थान तक पूर्ण दूरी, गर्दन से एंकर प्वांइट की दूरी, पैरों से जमीन और मृतक की लगभग ऊँचाई तथा सपोर्टिंग वस्तु की एंकर प्वाइंट तक पहुंचने को नोट करना चाहिए।
- विष द्वारा आत्महत्या के मामले में उल्टी, कप, ग्लास, बोतल, दवायें, जहर, कन्टेनर जो घटनास्थल पर पाये जाते हैं को एकत्र करना एवं प्रिजर्व करना न भूलें।

9. दुर्घटनाः–

- विभिन्न दिशाओं से फोटोग्राफी करने के बावजूद घटनास्थल का अच्छा नक्शा बनाना न भूले।
- सड़क दुर्घटना के मामले में घटनास्थल को डमी तथा समान वाहन द्वारा पुर्नस्थापना करना न भूले।
- हिट एण्ड रन केसेज में वाहन में डेन्ट मार्क, स्क्रैच, डैमेज तथा ट्रेस साक्ष्य जैसे बाल, रेशे, कपड़े, मिट्‌टी की जाँच करना न भूलें क्योकि ये संबंधित वाहन से संबंध को स्थापित कर सकता है।
- डूबने के मामले में परिस्थितजन्य साक्ष्यों को अनदेखा नहीं करना चाहिए क्योंकि यह विवेचना में महत्वपूर्ण साबित हो सकते है।
- यदि दुर्घटना किसी कार्य करने वाले स्थान यथा फैक्ट्री, प्रयोगशाला, वर्कशाप या निर्माणाधीन स्थल पर होती है तो उस क्षेत्र के टेक्नीशियन अथवा विशेषज्ञ से सहायता लेने में संकोच न करें।
- यदि दुर्घटना विस्फोट से होती है तो उसको हल्के में न लें बल्कि विवेचनाहेतु साथ में सुरक्षित डिवाइस सहित विस्फोटक विशेषज्ञ को साथ में लें।
- आगजनी दुर्घटना के मामले में हमेशा क्रमबद्ध तरीके से आगजनी प्रारम्भिक स्थान तथा ज्वलनशील पदार्थों की विवेचना करनी चाहिए।
- आगजनी दुर्घटना के मामलों में सही तथ्य जानने का प्रयास करना चाहिए सदैव मृतक के अन्डरगारमेन्ट्स में ज्वलनशील पदार्थो की उपस्थिति नहीं होनी चाहिए।
- विशेषज्ञ द्वारा दुर्घटना में परिस्थितिजन्य साक्ष्य के माध्यम से यह जानना चाहिए कि व्यक्ति तक विष कैसे पहुँचा।

10. जलकर मृत्युः–

- जलकर मृत्यु के संदिग्ध प्रकरणों को प्रथम दृष्टया तब तक हत्या का प्रकरण मानना चाहिए जब तक तथ्य स्पष्ट न हो जाये।
- हत्या, आत्महत्या, दुर्घटना के मामलों में परिस्थितिजन्य साक्ष्यों को अनदेखा नहीं करना चाहिए।
- चिकित्सक से जलने के प्रतिशत की जानकारी करनी चाहिए।
- जलने के घटनास्थलों में अतिरिक्त क्षेत्र को भी देखना न भूलें।
- मृतक शरीर पर धुँए का जमाव व धुँए की दिशा घटनास्थल छोड़ने से पहले नोट करना न भूले।
- अपराध स्थल के पंचनामा में दरवाजों व खिड़कियों की स्थिति, बोल्ट व स्टापर्स की स्थिति को दर्शायें।
- जलने के पहले संघर्ष के प्रकार के साक्ष्य को देखें इसमें टूटी हुई चूड़ी, अव्यवस्थित वस्तुओं एवं एन्टीमार्टम चोटों को देखें।

• गैस स्टोव की नाब्स की स्थिति, रेगुलेटर बंद या खुला, मिट्टी के तेल का कन्टेनर बंद या खुला एवं माचिस की स्थिति देखें।

11. फॉसी व गला घोंटनाः–

- फॉंसी के घटनास्थल का हमेशा समस्त मापों सहित नक्शा बनायें एवं फोटोग्राफ लें।
- फॉंसी के घटनास्थल में परिस्थितजन्य साक्ष्यों को अनदेखा न करें क्योंकि इनकी आत्महत्या व फॉंसी हत्या में अहम् भूमिका होती है।
- चिकित्सक से यह पूँछने में संकोच न करें कि लिगेचर मार्क एन्टीमार्टम है या पोस्टमार्टम।
- यदि लिगेचर मार्क पोस्टमार्टम प्रकृति का है तो जहरखुरानी को अनदेखा न करें।
- लार टपकने के बहाव को देखें, यह एन्टीमार्टम फॉंसी का अतिमहत्वपूर्ण संकेत हैं।
- लटकने के स्थान व गर्दन पर लगी गॉंठ को कभी न काटे यह मामले में महत्वपूर्ण साक्ष्य है।
- लाश के नीचे जमीन पर मूत्र की उपस्थिति देखें।
- गला घोटने के मामले में संघर्ष एवं हिंसा की चिन्हों की अनदेखी न करें।
- हमेशा गला घोंटने को हत्या समझकर केस की विवेचना करें।
- गला घोंटने की दशा में सदैव संघर्ष के निशानों की उपस्थिति पायी जाती है, केवल शिशुओं, वृद्ध, विक्षिप्त एवं नशे की अवस्था में छोड़कर।
- दम घुटने में परिस्थितिजन्य साक्ष्यों को न भूलें क्योंकि विवेचना में इनकी अहम भूमिका हो सकती है।

12. बलात्कार के मामलेः–

- पीड़िता व अपराधी का चिकित्सीय परीक्षण करवाना न भूलें।
- पीड़िता के बारे में कुछ सूचनायें यथा मानसिक स्थिति, चलने की स्थिति, बोलने की प्रवृत्ति तथा चोटों के बारे में चिकित्सक को सूचनायें देने में संकोच न करें।
- चिकित्सक से हमेशा पीड़िता की आयु, संघर्ष के संकेत तथा हिंसा और बलात्कार के बारे में राय प्राप्त करें।
- चिकित्सा अधिकारी से जननांगों में आयीं चोटों के विषय में जानकारी लें।
- रक्त व वीर्य के धब्बों के प्रदर्श अग्रिम परीक्षण हेतु संरक्षित करना न भूलें।
- हिंसा के चिन्हों के लिये अभियुक्त का परीक्षण कराना न भूलें।
- अपराध स्थल पर उपस्थित बालों विशेषकर जननांग के बाल (प्यूबिक हेयर) को सदैव देखना चाहिए।
- पीड़िता व अभियुक्त के प्यूबिक हेयर का नमूना एकत्रित करना न भूले।

- पीड़िता के नाखूनों से रक्त, टिशू एवं त्वचा आदि का नमूना लेना न भूलें।
- पीड़िता तथा अपराधी के कपड़ों पर उपलब्ध धूल, मिट्टी, कीचड़ एवं पादप पदार्थ आदि संकलित करें।

13–अपराधिक गर्भपातः–

- गर्भपात के मामलों में घटना के क्रम को सुनिश्चित करें।
- यदि पीड़िता की मृत्यु हो गयी है तो चिकित्साधिकारी से रीसेन्ट व पास्ट प्रसव चिन्हों के संबंध में जानकारी प्राप्त करें।
- विवेचना के उद्देश्य से गर्भधारण की स्थिति महत्वपूर्ण होती है सदैव याद रखना चाहिए।
- गर्भपात के लिये कौन लाया, स्थान कौन सा था, दिनांक व समय से संबंधित सूचनायें प्राप्त करना न भूलें।
- चिकित्सा अधिकारी से चोटों, विष के लक्षण व मृत्यु के कारण के बारे में सदैव जानकारी लें।
- प्रयोग किये गये उपकरणों, रसायनों आदि के बारे में जो सहायक स्टाफ द्वारा उपलब्ध कराये गयें हैं, सूचनायें एकत्रित करें।
- अपराध स्थल तथा पीड़िता के कपड़ों से रसायनों एवं विषों की तलाशी करें।
- अपराधिक गर्भपात के मामले में वस्तुयें यथा दवायें, वानस्पतिक पदार्थ, जहर,फीमेल पिल्स आदि खोंजें।

14. शिशु वधः–

- शिशु वध के मामले में चिकित्सा अधिकारी से यह पूछना न भूलें कि बच्चा जीवित पैदा हुआ या मृत।
- बच्चे के पैदा होने तक शिशुवध की सम्भावना बनायें रखें।
- जीवित जन्म तथा मृत दशा की भिन्नता के दृष्टिगत् जो 210 दिवस है।
- मृत्यु की प्रकृति के बारे में चिकित्सा अधिकारी से सुनिश्चित करें।
- वास्तविक दुर्घटना, मृत्यु अथवा प्राकृतिक मृत्यु के कारण की सम्भावना को स्पष्ट करें।
- प्रसव के समय उपस्थित चिकित्सक व नर्सिंग स्टाफ का संबंधित घटना के विषय में कथन रिकार्ड करना न भूलें।
- चिकित्सा अधिकारी से मॉ के रोग, विकृति के विषय में पूछे जो शिशु की मृत्यु का कारण है।

15. सड़क दुर्घटनाः–

- वाहन, वाहन की टक्कर, स्किड चिन्ह को सम्मिलित करते हुये दुर्घटना का फोटोग्राफ लेने की अनदेखी न करें।
- वाहन, शव एवं स्थिर वस्तुओं की सापेक्ष स्थिति को दिखाते हुये स्कैच बनायें।
- रक्त के धब्बे, स्किड चिन्ह, टायर चिन्ह, ड्रेगिंग चिन्ह, टूटे शीशे के टुकड़ों, पेन्ट आदि के लिये घटनास्थल का निरीक्षण करना कभी न भूलें।
- विवेचना अधिकारी से ड्राइवर/चालक की शिथिलता के बारे में पूछें।
- यांत्रिक त्रुटि के लिये वाहन का परीक्षण मोटर मैकेनिक द्वारा करायें।
- दुर्घटना से पूर्व की वाहन की स्थिति से अवगत होने के लिये चालक का चिकित्सीय परीक्षण अवश्य करायें।
- स्लिीपरी, बमी, संकरी, मोड़ होने जैसी सड़क की स्थिति रिपोर्ट में सम्मिलित करना न भूलें।
- घटनास्थल पर कपड़े, रेशे की अनदेखी न करें क्योंकि यह पीड़ित के हो सकते हैं।
- पीड़ित के कपड़ों पर शीशे के टुकड़े, पेन्ट, धातु के टुकड़े, तेल के धब्बे, ग्रीस धूल आदि की तलाश करना न भूलें।
- यदि संदिग्ध वाहन घटनास्थल से दूसरे स्थान पर मिला है तो पादप वस्तुओं की जड़, मिट्‌टी, धूल की तलाशी करना न भूलें क्योंकि यह घटना से संबंधित हो सकते हैं।

16. संदिग्ध विष प्रकरणः–

- पीड़ित की अवस्था, बीमारी की स्थिति को विष प्रकरण में कदापि न भूलें।
- विष के प्रकरण में, यह सुनिश्चित कर लिया जाये कि इसे कहॉ से प्राप्त किया गया, कैसे रखा गया, किस प्रकार से प्रयोग किया गया और पीड़ित में विष की कितनी घातक उपस्थिति है।
- घटनास्थल पर पीड़ित के कपड़ों पर उल्टी किये गये पदार्थों को देखे व उसमें विष की विशेष गन्ध पर ध्यान दें।
- घटनास्थल एवं उससे लगे क्षेत्र में विष कन्टेनर, दवाइयों के रैपर व सीरेंज आदि की तलाश करना न भूले।
- विष के भाग, बचे हुए खाने, एल्कोहल, कोल्ड ड्रिंक को विष लेने हेतु साक्ष्य के रूप में खोजें।
- पीड़ित के मुँह से आ रही विशेष गन्ध, रक्तयुक्त झाग की विशेष गंध को देखें।
- यदि पीड़ित अस्पताल में भर्ती हो तो चिकित्सक से इलाज की जानकारी लें।
- पोस्टमार्टम परीक्षण के बिना मृत्यु विष से हुयी या नहीं निर्धारण कभी न करें।

- विष परीक्षण हेतु पोस्टमार्टम प्रदर्श जैसे विसरा, रक्त, स्टमक, कन्टेन्ट्स संरक्षित रखना न भूलें।
- संदिग्ध विष प्रकरण में चिकित्सक द्वारा हड्डी, नाखून, बालों का संरक्षण करना न भूलें।
- यदि विष किसी सीरेन्ज द्वारा दिया गया हो तो चिकित्साधिकारी द्वारा इन्जेक्टेड भाग से त्वचा प्रिजर्व कराना न भूलें।

17. आग्नेयास्त्र के मामलेः–

- आग्नेयास्त्र को हैंडिल करने से पहले यह सुनिश्चित कर लें कि यह भरा हुआ है या खाली है।
- आग्नेयास्त्र को हमेशा सावधानीपूर्वक हैंडिल करें ताकि इस पर उपस्थित अॅगुलिचिन्ह खराब न हो।
- आत्महत्या के मामले में आग्नेयास्त्र लाश के नजदीक और कुछ मामलों में मृतक के कार्य करने वाले हाथ में हो सकता है इसे कभी न भूलें।
- यदि आग्नेयास्त्र लाश से कुछ दूरी पर हो तो यह आत्महत्या की कहानी से अलग हो सकता है इसे याद रखें।
- एन्ट्रीबुन्ड के चारों तरफ जलने, झुलसने, कालेपन व गोदने आदि के निशानों को कभी न भूले।
- यह हमेशा याद रखे कि गनशाट रेजेड्यू मृतक के हाथों, कपड़ों और उसके पास वस्तुओं पर हो तो उसे संकलित करना चाहिए।
- नजदीक से फायर होने पर आग्नेयास्त्र के ऊपर रक्त, झुलसे बाल व त्वचा के टुकड़े आदि पाये जा सकते हैं।
- खाली कारतूसों, गोलियों आदि को धातु की चिमटी से कभी नहीं उठाया जाना चाहिए क्योंकि इसके द्वारा नये चिन्ह विकसित हो सकते हैं।
- आत्महत्या प्रकरणों में गनशाट बुन्ड शरीर के किसी भाग पर हो सकता है।
- चिकित्साधिकारी से जो गोली या छरे शरीर में है किन्तु प्राप्त नहीं हुये हैं उनकी स्थिति ज्ञात करने के बारे में पूछना चाहिए।
- आग्नेयास्त्र को कैपिंग के द्वारा सुरक्षित करना चाहिए न कि कपड़े से।
- पैकिंग के पूर्व आग्नेयास्त्र का मेक, मॉडल, कैलीवर व सीरियल नं0 नोट करना चाहिए।

18. विस्फोट के मामलेः–

- अचानक विस्फोट हुये क्षेत्र में प्रवेश नहीं करना चाहिए क्योंकि क्षेत्र में विस्फोट होने वाली डिवाइसेस मौजूद हो सकती है।

- विस्फोटक विशेषज्ञ के बिना विस्फोट से संबंधित घटनास्थल का निरीक्षण नहीं करना चाहिए।
- जीवित बमों एवं विस्फोटक डिवाइसेस को हैंडिल नहीं करना चाहिए ऐसे मामलों में बम डिस्पोजल दस्ते की सहायता हमेशा लेनी चाहिए।
- विशेषज्ञ के अतिरिक्त किसी को भी कोई भी वस्तु हैंडिल नहीं करने देना चाहिए।
- संदिग्ध बम/विस्फोटक डिवाइसेज के पास प्रकाश व धुँयेयुक्त पदार्थ नहीं ले जाना चाहिए।
- विस्फोटक पदार्थ की तलाशी हेतु संदिग्ध के कपड़े, जूते, वाहन, मकान, कार्य करने के स्थान की तलाशी लेना न भूलें।
- अपराधी के कार्यालय, आवास, वर्कशाप से विस्फोटक बनाने से संबंधित रसायन आदि को खोजना न भूलें।
- इनीसियेटिंग तथा डेटोनेटिंग डिवाइसेस को अलग–अलग पैक करना हमेशा याद रखें।
- खतरनाक विस्फोटक जैसे मरकरी फल्मीनेट या लेड एजाइड को परीक्षण हेतु कभी न भेजें बल्कि इनके परीक्षणहेतु विशेष वाहक/विशेषज्ञ को अपराध स्थल पर बुलायें।
- देशी बमों को 72 घण्टों तक पानी में रखने के बाद पानी से भरे कन्टेनर में भेजें।

<u>19. नकबजनीः–</u>

- फिंगर प्रिन्ट विशेषज्ञ को नकबजनी के मामलों में संभावित फिंगर प्रिंन्ट्स को लोकेट करने, विकसित करने एवं लिफ्ट करने को हमेशा कहें।
- मकान या दुकान के आस–पास टायर के चिन्हों, दरवाजों का खिड़कियों पर औजारों के चिन्ह, फर्श पर पद चिन्ह एवं जूतों के निशान को हमेशा देखें।
- अपराधस्थल पर सिगरेट एवं बीड़ी के टुकड़ों, पान मसाला पाउचों की अनदेखी न करें।
- अपराधी द्वारा अपराधस्थल पर उससे संबंधित वस्तु/औजार को हमेशा देखें।
- यह याद रखें कि अपराधी घटनास्थल पर शराब की बोतल, डिसपोजेबल ग्लास, खाने का सामान, समाचार पत्र छोड़ सकता है।
- चोरी हुई सम्पत्ति से विशेष पदार्थों को जो संदिग्ध के कपड़ों, जूतों एवं वाहन पर हो को खोजना न भूलें।
- यदि संदिग्ध से औजार बरामद होता है तो पेन्ट, डिस्टेम्पर जो अक्सर दरवाजों, खिड़कियों एवं अल्मारियों से ट्रान्सफर होता है कि जॉच करें।
- अपराधी के फिंगर प्रिंट, पद चिन्ह जूतों के निशानों के नमूना लेना न भूले। जो अपराधी के जूतों एवं वाहन से प्राप्त हुये हैं।
- पद चिन्ह, जूतों के निशान टायर चिन्ह एवं औजारों के चिन्हों की फोटोग्राफी करते समय स्केल का प्रयोग कभी न भूले।

20. आगजनी व आग से संबंधित मामलेः–

- प्रथमतः आगजनी को दुर्घटना कभी न मानें जब तक सिद्ध न हो जाय।
- डेमेज, स्मोक पैटर्न और विदेशी वस्तुओं को सम्मिलित करते हुये घटनास्थल की फोटोग्राफी करना न भूलें।
- मकान मालिक से मकान का नक्शा जिसमें कमरे, दरवाजे, खिड़कियॉ, लिफ्ट व अन्य बनावट दर्शायी गयी हो का विवरण के बारे में पूॅछने में संकोच न करें।
- निरीक्षण करते समय विशेषज्ञ जैसे बिजली–इन्सटालेशन, ऊष्मीय उपकरणों और अन्य वस्तुओं के विशेषज्ञों की सहायता लेना कभी न भूले।
- आग की शुरूआत एवं बन्द होने के सम्भावित समय की सूचना न लेना भूलें।
- पदचिन्हों, जूतों के निशान, टूलमार्कस जो प्रवेश एवं निर्गम बिन्दुओं पर हो की सम्भावना को न भूलें।
- फ्यूज कार्ड, विस्फोटक डिवाइसेस के अवशेष, रिमोट के भाग तथा जलने के अवशेषों (इनीसियेटर) को संकलित करना न भूलें।
- घटनास्थल पर, विस्फोटक पदार्थों, रसायनों या ज्वलनशील पदार्थों की विशेष गंध की अनदेखी न करें।
- ज्वलनशील पदार्थों जैसे पेट्रोल, डीजल तथा कैरोसीन, मिट्टी, सतह के अवशेष, धुॅये तथा राख का जमाव, जले कपड़े एवं पेपर को हमेशा संकलित करें।
- यदि विद्युत सप्लाई की टेम्परिंग हो तो बिजली इंजीनियर की सहायता लेने में संकोच न करें।
- ज्वलनशील पदार्थों से संबंधित सभी अवशेषों को वायुरोधी पालीथीन या प्लास्टिक बैग में पैक करें।

21. जाली करेन्सी सिक्के व नोटः–

- तॉबे व उसकी मिश्रधातु के कारण जाली सिक्के अलग तरीके की आवाज एवं रिंगवेल उत्पन्न करते हैं।
- अपराधी तथा घटनास्थल से असली एवं अर्धनिर्मित सिक्के साथ–साथ संकलित करना न भूले।
- सिक्के बनाने के ब्लाक, फोटोग्राफिक प्लेट्स, फिल्मों एवं प्रिन्टिंग कागज तथा कापर एवं जिंक की प्लेट पर संदिग्ध के ॲगुलिचिन्ह की सम्भावना की अनदेखी न करें।
- विशेषकर विभिन्न आकारों (नोटों के) काटे गये प्रिंन्टिंग कागजों को संकलित करना न भूले।
- घटनास्थल के निर्गम एवं प्रवेश बिन्दुओं पर पदचिन्हों तथा जूतों के निशानों को देखना न भूलें।
- लिखावट इम्पलीमेन्ट्स जैसे, पेन, पेंन्सिल, लिथोपेंसिल एवं पेन्टिंग ब्रश की उपस्थिति की अनदेखी न करें।

- संदिग्ध के कपड़ों, बालों, विशेषकर नाखूनों में रंग एवं इंक के अवशेषों की हमेशा खोज करें।

22. प्रश्नगत प्रलेखः–

- नाजुक प्रलेखों की हमेशा असावधानीपूर्वक त्वरित हैडिलिंग न करें, यदि आवश्यकता हो तो इनकी फोटाग्राफी उपयोग करे।
- सूर्य के तीव्र प्रकाश, ऊष्मा तथा नमी में प्रलेखों को खुला नहीं रखना चाहिए क्योंकि वह खराब (सिकुड) हो सकता हैं।
- कभी भी प्रलेखों को अनावश्यक मोड़ना नहीं चाहिए और पैकैट में ही रखकर भेजना चाहिए।
- प्रलेख में पिन का प्रयोग नहीं करना चाहिए, यदि आवश्यक हो तो फाईल बनाने में पेपर क्लिप का प्रयोग करना चाहिए।
- प्रलेख में किसी भी भाग में अन्डर लाईन नहीं करना चाहिए यदि आवश्यक हो तो मूल लेख से अलग रखने के लिए प्रलेख को घेर देना चाहिए।
- प्रलेख के पिछले भाग पर विवरण लिखना चाहिए
- सभी हस्तलेख, टाइप राइटिंग, प्रिन्टिंग तथा मोहर छाप सावधानीपूर्वक अध्ययन करना नहीं भूलना चाहिए।
- प्रलेख की दशा जैसे जला हुआ, फटा हुआ हो उसकी उपेक्षा न करें।
- प्रलेख के बाद के पृष्ठ पर इन्डेटेंशन मार्क (दबाव चिन्ह) हमेशा देखना चाहिए।
- मजिस्ट्रेट की उपस्थिति में हस्तलेख का नमूना लेना चाहिए और यदि सम्भव हो प्रत्येक पेज उसके द्वारा प्रमाणित होना चाहिए।
- नमूना लेते समय, आलेख (डिक्टेशन) धीमी गति, मध्यम गति तथा तेज गति से लेना न भूलें।
- संदिग्ध को कभी भी विवादित प्रलेख नहीं दिखाना चाहिए।

23. इलेक्ट्रनिक साक्ष्य से संबंधित अपराधः–

- इलेक्ट्रानिक साक्ष्यों को डील करते समय सामान्य विधि विज्ञान और प्रक्रियात्मक सिद्धान्तों को हमेशा अपनाना चाहिए।
- इलेक्ट्रानिक साक्ष्यों की खोज, एकत्रण एवं संरक्षण करते समय प्रशिक्षित व्यक्ति की सहायता लेना कभी न भूलें।
- साक्ष्य की स्थिति में कभी परिवर्तन न हो, इसे कभी न ही भूलना चाहिए।
- कम्प्यूटर से डाटा एकत्रित करते समय की–बोर्ड को छूना व माउस को क्लिक करना उचित नहीं है।
- संबंधित व्यक्ति से सूचनायें लेना कभी न भूलें।
- इलेक्ट्रानिक उपकरण के मालिक तथा कार्य करने वाले का नाम एवं पासवर्ड नोट करना कभी न भूलें।

- डिस्ट्रक्टिव डिवाइसेस से संबंधित विशेष सिक्योरिटी स्कीम तथा डाटा स्टोरेज से संबंधित किसी कार्यालय की सूचनाय, हार्डवेयर एवं साफ्टवेयर सिस्टम का स्पष्ट विवरण लेना न भूलें।
- मानीटर, कम्प्यूटर मशीन (सी0पी0यू0), प्रिन्टर आदि जो भ एसेसरीज डिवाइसेस घटनास्थल पर प्राप्त होती हैं को रिकार्ड करना कभी न भूलें।
- मानीटर स्क्रीन पर डिस्प्ले हो रही सूचनाओं की फोटोग्राफी हमेशा करें।
- कम्प्यूटर से पावर को हमेशा अलग कर दें।
- डिवाइस का मेक, माडल एवं क्रम सं0 रिकार्ड करना न भूलें।
- सभी केबिल्स के किनारों को मार्क एवं लेबिल करें।
- चुम्बकीय वस्तुओं को एन्टीमैगनेटिक कन्टेनर जैसे पेपर या प्लास्टिक बैग में पैक करें।
- प्रत्येक कम्प्यूटर सिस्टम को अलग–अलग पैक करें क्योंकि एक दूसरे से समानता रख सकते है।

24. डीएनए प्रोफाइलिंगः–

- छोटे से छोटा जैविक पदार्थ डीएनए प्रोफोइलिंग हेतु अहम हो सकता है।
- जीवित व्यक्ति से जैविक पदार्थ चिकित्सा अधिकारी द्वारा एकत्रित किया जाना चाहिए।
- जैविक पदार्थ को रिफ्रीजिरेटर में 4^0C तापमान पर रखना कभी न भूलें एवं यथाशीघ्र (अविलम्ब) प्रयोगशाला प्रेषित करें।
- रक्त रंजित कपड़े एवं रक्त का स्वाब हवा में सुखाकर पैक करना चाहिए।
- रक्त के नमूनों को उचित एन्टीकागुलेन्ट यथा EDTA में संरक्षित करना चाहिए।
- वायुरोधी कन्टेनर अथवा प्लास्टिक बैग में गीले रक्त को कदापि पैक न करें।
- पैंकिंग एवं प्रेषण के समय जैविक नमूने की विश्वसनीयता (इन्टीग्रटी) को कभी न भूलें।
- यदि वाहन में रक्त लगा हो तो उसे प्रयोगशाला प्रेषित करने में संकोच न करें।
- याद रखें कि पैकिंग के पूर्व अन्डर गारमेंन्टस, बेडशीट्स, तकिया कवर आदि अन्य नम वस्तुओं को छायादार स्थान में सुखायें।
- वीर्य से संबंधित साक्ष्य यथा विजाइनल स्लाइड, प्यूबिक हेयर आदि पीड़िता से एकत्रित करने हेतु सदैव चिकित्सा अधिकारी को निर्देशित करना न भूलें।
- खींचे गये, गिरे हुये बालों को डीएनए प्रोफाइलिंग के लिये एकत्रित करें।
- सफल परिणाम हेतु 10 से 20 जड़ सहित बाल एकत्रित करना न भूले।
- सभी भागों से बाल परीक्षण हेतु एकत्र कर अलग–अलग पैक करें।
- पैकिंग के पूर्व ध्यान रखें कि बाल सूखे हुये रक्त, टिशू व वीर्य में न मिलें।

- यदि विवेचना में आवश्यक हो तो पोस्टमार्टम नमूनों को डीएनए प्रोफाइलिंग हेतु एकत्र करने को कहें।

<u>25. डूबकर हुई मौतः–</u>

- जब कोई व्यक्ति पानी में डूबता है तो श्वसन क्रिया के साथ फेफड़ों में पानी चला जाता है और फेफड़ों की थैलियों में पानी एवं वायु भर जाती है जिससे इसकी रक्त कोशिकायें व झिल्ली फट जाती है। इस प्रकार पानी में उपस्थित डायटम रक्त प्रवाह के साथ शरीर के विभिन्न भागों एवं ऊतकों में पहुँच जाते हैं यदि फेफड़ों से दूरस्थ अंगो जैसे मस्तिष्क तथा अस्थि मज्जा में डायटम की उपस्थिति पायी जाती है तो यह पानी में डूबने से मृत्यु की पुष्टि करता है।
- डायटम परीक्षण हेतु फीमर या टिबिया हड्डी (लगभग 2 X 3 cms लम्बी) तथा उस स्थान के पानी की आवश्यकता होती है।
- यदि किसी स्थान से शव बरामद होता है जहाँ पानी सूख गया है वहाँ से सूखी मिट्टी का नमूना एकत्र करना चाहिए।

Scene of Crime management Protocol

Do's

Investigator should remember that the same crime scene will not be available tomorrow in its original condition. Therefore, before leaving the site he should not forget the followings:

..1-.General Instructions

- This court would also like to be furnished with details of a protocol that may have already been or is in the process of being developed as to how investigation is actually to be carried out when a major crime by known or unknown offenders is reported. We would like to informed whether the protocol mentions points such as whether the scene of the crime is to be cordoned off by a coloured ribbon by the investigating officer, where no one except the investigators and the forensic experts may enter, their manner of collecting samples, so that it is not tampered with. Even politicians, senior district officials, VIPs and media should not have permission to enter such areas. How much area should be corded by the ribbon. It is a depending upon investigating officers. The manner and time frame by which the photographers and other specialized forensic personnel of different fields are to carry out their tasks- dog squad, finger or foot print collection, hair , vomit, excreta, blood or seminal stains and other items for DNA or other testing also needs to be spelt out.

2- The Crime Scene

- Never alter the position of any potential object, evidence including the dead body before the complete recording of the scene by photography, videography, sketching or panchnama is done.
- Do not exclude to note details about furniture, doors, windows, curtains, tapestry, carpet, upholstery, flooring, fixtures, fittings, etc.
- Never overlook for stains of blood, semen, urine, smears, paint, fibers, hair, etc. and preserve the bits of objects affected.
- Always note presence of bottles, containers, glasses, utensils and their condition such as filled, half filled, empty or stained with expected or suspected to contain poisonous substance or alcohol.
- Never hesitate to preserve objects which looks useless at the time unless absolutely sure about them. They could be vital in the later stages, of the investigation.
- Never omit to collect suspicious pieces of cloth, fiber, hair, paper, document, etc. because they may provide a link to the culprit.
- Never leave the crime scene unguarded. Always depute an individual for the safety of the scene.

- Nobody should be allowed to introduce any material like cigarette stubs, cigarette ash, footprints, shoeprints or fingerprints at the scene.
- Keep all doors, windows, locks, staircases, lightings, fans routes of entry and exit in their original condition till the examination of the scene is over.
- Never use the utilities such as bathroom, toilet, washbasin, telephone, etc .belonging to the crime scene premises.
- Never omit to include in report, the significant and important positive or negative findings of preliminary examinations encountered during investigation.
- Always include photographs, sketches, maps, etc. in the crime scene report.

3- Photography

- Always record the crime scene of all the important and heinous crimes by black and white as well as colour photography.
- Never fail to take photograph of the dead body during investigation of cases such as homicides, suspicious deaths, strangulation, burning, hanging, drowning and road accidents.
- Always include relative positions of building, road boundary wall, fence, shrubbery, doors, windows, pole, trees, etc. this could be helpful to confirm or corroborate circumstantial evidence.
- Never hesitate to take close up photographs of injuries, ligature marks, traces of resistance, scratches, tears, contusion, abrasion, etc. found on the victim's body.
- Always use a scale while taking photograph of tool marks, tyre marks, skid marks, footprints, shoeprints, etc.
- The object photographed should be immaterial or irrelevant and the photograph should be a truthful representation.
- The relationship of various objects to one another and the location of articles should clearly be shown in photographs, with reference to recognizable background.
- A record of photographs, such as the time, date, case number, police station, place and name of photographer should be mentained.
- Never fail to take photograph of the entry and exit points.

4- Sketching

- Never avoid to make a sketch of the crime scene of cases such as road accident, murder, gunshot fire, etc.
- Never forget to include relative positions of various objects, fittings, fixtures, furniture, vehicle, dead body and weapons in the sketch.
- Never omit to mention road, wall , river, well , building, railway track, trees etc. in the sketch.
- Identity marks such as tattoo, injuries and other atypical marks on the body should be indicated as figures.
- Never forget to include direction in the sketch. North should be toward the top by an arrow head.
- Always mention case number, section, police station, date, time and place of occurrence in the sketch.
- Never avoid to measure exact inter distances with a tape, not be approximation.

- Always use appropriate and conventional symbols, letters, digits of a legend to avoid crowding.

5- Unidentified Dead Body

- Never overlook to establish identity of the an unknown deceased during the investigation of suspicious death, accidents, murder cases.
- Try to have the exact replica, drawing or photograph of scars, tattoo marks and injuries caused by a peculiarly shaped weapon.
- Never forget to take fingerprints with ink of unknown and un identifies dead body if possible.
- Never omit to ask autopsy suargeon to preserve skin of finger tips separately of unidentified dead bodies.
- Never forget to look for tailor, dry cleaner marks of other marks of identification on deceased's clothings.
- Never avoid to make a search on clothing, personal articles and vehicle for identity card, driving licence, pan- card, credit card, ATM card, etc. that may be useful for the identification of the deceased.
- In the cases of foeticide and infanticide, never forget to get assessment of the age of the faetus and child.
- Never omit to send bones for examination, if skeletal remains are found at the crime scene to get opinion about sex, approximate age, strature, height etc.
- Do not hesitate to recover even the smallest bones, as they may be an evidence of poisoning, injuries and relation to causation of death.

6- Postmortem and Medicolegal Examination

- Never avoid to ask for postmortem in cases of unnatural and suspicious deaths.
- Never hide important and relevant, positive or negative findings to be submitted to autopsy surgeon.
- Do not hesitate to verify that there no discrepancy in injuries and other significant marks in your findings and the medical or autopsy report.
- Never forget to check that all important points referred in the postmortem proforma are duly attended by the autopsy surgeon.
- Never hesitate to inform the coroner or magistrate about discrepancy regarding injuries and other findings, if any.
- Always procure the preliminary opinion of the medical officer about the medicolegal exhibits before sending them to the forensic laboratory.
- Ensure that appropriate preservatives have been used for the viscera, blood, tissues and others.
- Never hesitate to ask medical officer that all viscera and stomach washing have been preserved in normal saline and the tissues of internal organs in formalin for histopathology examination.
- Ensure that skin piece or area affected by snake bite or injection has been duly preserved.

- Do not hesitate to ask autopsy surgeon to preserve trachea in burn cases for the presence of carbon particles in it and tibia bone for diatom examination in suspicious drowning cases.
- Always avoid an unnecessary delay in dispatching postmortem exhibits such as viscera stomach contents, blood to the chemical laboratory for examination.

7- Homicides

- Never forget to establish a continuous chain or copus delecti and trace the motive behind the act up to death.
- Never omit the circumstantial evidence as they may be useful for establishing motive, if investigated closely.
- Always take a sufficient number of photographs of the dead body from all possible angles covering injuries and marks.
- Never omit to look for evidence of struggle with consequent multiple injuries even on body of the accused.
- Never forget tear of garments and bloodstains on clothing of the accused.
- Never omit to look for blood on environment even at beneath of nails of the culprit.
- Never forget to look for marks of struggle and violence in strangulation except intoxication, infants or invalids.
- Never forget to go for continuous chain from procurement of poison to its presence in viscera during the investigation of homicidal poising cases.
- Always look for circumstantial evidence such as presence of stove, kerosene oil container, position of lid, match box, pattern of smoke deposition and posture of the dead body in homicide burns.

8- Suicides

- Consider all suicide cases as homicide unless proved otherwise and never avoid to get the postmortem examination.
- Never omit to scrutinize the type, nature, location, direction and shape of the injuries on the body.
- In burn cases, specially look for cadaveric spasm in the form of pugilistic attitude of the dead body, which indicates antemortem burn.
- Never omit to note the extent and degree of burn especially on accessible areas in the cases of burns.
- In the cases of firearm, look out for the firearm firmly clasped in the hand or otherwise.
- Never forget to make detailed survey of the crime scene of hanging cases and get confirmed that the ligature mark was antemortem in nature and correspond to the ligature object.
- Never forget to note all measurements such as total height between the anchor point and ground level, the neck and anchor point, feet and ground, probable height of the deceased and supporting object used to approach the anchor point.

- In a case of poisoning, never forget to collect and preserve all materials such as vomit, cups or glasses, bottles, medicines, container of poison, etc. found at the crime scene.

9- Accidents

- Never forget to make a good sketch or map of the crime scene even photography is done from various angles.
- In a road accident case, never avoid to reconstruct the crime scene with a dummy and similar vehicle at the site of occurrence.
- In a hit and run case always check the vehicles involved for dent marks, scratches, damage and trace evidence such as hair, fibre, cloth, soil, etc. which may be helpful to link the suspected vehicle in the case.
- In cases of accidental drowning, never overlook circumstantial evidence. These may be significant, if closely investigated.
- If an accident occurs at the working place such as a factory, laboratory, workshop or construction site, never hesitate to take help from a technical expert of the field.
- In cases of explosion due to accident, never act lightly and always precede for the investigation with an explosive expert and appropriate safety devices.
- Accident fire cases should always be investigated with a systematic approach to find out seat of fire and flammable material involved.
- In accidental burn cases, always try to find out the fact that no inflammable material should be found on under garments of the deceased.
- In accidental poisoning cases, circumstantial evidence must be examined thoroughly to establish how does the poison come to the contact with the person.

10- Death due to Burn

- Always treat all the burn cases as homicidal unless proved otherwise.
- Never overlook thorough investigation of circumstantial evidence in alleged burn cases to establish homicidal, accidental or suicidal burns.
- Never hesitate to ask medical officer regarding degree and exte3nt of burn along-with the percentage of burn.
- Never omit to look for exemption areas during investigation of a burn crime scene.
- Never omit to note the direction and deposition of smoke at the environment and depth of burn on the body before removing it from the crime scene.
- Never forget to incorporate condition of doors and windows, position of bolts and stoppers in the panchnama of the scene of occurrence.
- Always look for the evidence of any kind of struggle before burn took place. This includes presence of broken bangles, disturbed articles at the site or antemortem injuries on victim's body.
- Never overlook to see position of gas stove nobs, regulator 'on' or 'off', condition of stove, kerosene container open or close and presence of match box.

11- Hanging and Strangulation

- Always take photographs of a hanging scene and make a sketch with all the measurements.
- Never overlook circumstantial evidence in a hanging case, as these play a vital role in establishing suicidal, or homicidal hanging.
- Never hesitate to ask the medical officer about ligature mark whether antemortem or postmortem in nature.
- If ligature mark is found of postmortem nature, then never omit to rule out the possibility of poisoning or intoxication.
- Always look for trickling of saliva as it is the most important sign of antemortem hanging.
- Never cut the knot at the anchor point and the neck. It may be significant about the case.
- Always look for presence of urine found on the ground just below to the dead body.
- Never overlook for signs of struggle and marks of violence in strangulation and throttlling cases.
- Always presume strangulation to be homicidal and investigate the case accordingly.
- Throttling is always homicidal accompanied by signs of struggle or overpowering except in the infants, invalids, imbeciles, aged and intoxication.
- Never omit the circumstantial evidence in cases of suffocation. They play major role in the investigation.

12- Rape Cases

- Never omit medical examination of the victim and the culprit, if rounded up.
- Do not hesitate to provide information about the victim such as mental condition, gait consistency and coherence of speech and injuries to the medical officer.
- Always get an opinion from medical officer about age of victim, signs of struggle and violence and evidence of sexual intercourse.
- Never hesitate to ask the medical officer regarding genital and extra genital injuries.
- Never forget that the exhibits carring blood and seminal stains should invariably be collected and preserved for further examination.
- Never forget that the culprit is examined for marks of violence o n his person or his clothing being torn.
- always look for the presence of hair, especially from pubic area, that may be found at the crime scene.
- Never omit to collect the control sample of public hairs from the victim as well as from the culprit.
- Always look for traces of blood, tissue, skin from the culprit at beneath of nails of the victim.
- Never forget to look for the presence of dust, soil, mud, vegetation on the clothings of both the victim and the culprit belonging to the crime scene.

13- Criminal Abortion

- Never omit to confirm sequence of events regarding evidence of delivery in cases of abortion.
- If the victim is dead, never forget to ask medical officer about signs of recent delivery or past delivery.
- Always remember that the stage to which pregnancy has advanced is very important from the investigation point of view.
- Never omit to get information's such as who carried out the abortion and the place, date and time of occurrence.
- Always ask the medical officer about injuries, symptoms of poisoning or intoxication and cause of death.
- Never hesitate to gather relevant information's such as method equipments, chemicals, etc. from supporting staff or co-accused.
- Always make a search for traces of chemicals or toxicological material s on clothing of the victim and site of occurrence.
- Always make a through search for material commonly used for criminal abortion as medicines, syringes, indigenous poisons, female pills, disinfectants, etc.

14- Infanticide or Foeticide

- Never forget to confirm form medical officer that the child was born alive or otherwise in a case of infanticide.
- Do not entertain the possibility of infanticide, if still birth takes place.
- Remember, there is not necessity of differentiating between live birth and still birth, it occurs before the period of viability i.e. twenty eight weeks or 210 days.
- Always get clarification on the nature of death form omission or commission from the medical officer.
- Never omit to get clarification to rule out the possibility of natural or genuine accidental cause of death in an infanticide case.
- Never forget to record statements of the doctor and nursing staff who have provided help to the mother during the delivery and subsequent events.
- Never omit to collect instrument of killing the infant, such as rope, piece of cloth, pillow, poison container, etc.
- Never omit to ask the medical officer about any disease or deformity that the mother was suffering and which could cause death of the infant.

15- Road Accidents

- Never avoid to take photographs of the accident site covering the vehicles involved, skid marks, impact on vehicle, etc.
- Always make a spetch which should include relative positions of the vehicle the dead body and other potential objects.
- Never forget to examine the crime scene for bloodstains, skid marks, tyre marks, dragging marks, broken piece of glass, paint flaks, etc.
- Never omit to investigate the factor of rashness or negligent driving.

- The involved vehicle should always be examined by a motor mechanic for any kind of mechanical failure.
- Always reconstruct the crime scene with the help of photographs and sketch to establish pre-accident position of the vehicles.
- Always get the driver of the vehicle medically examined for evidence of consumption of alcohol or other intoxication, if any.
- Never forget to include condition of the road to be slippery, bummy, having pits or boulders and narrow with sharp curves in the final report.
- Never overlook small fragments of cloth or fibers found at the crime scene as they may be from the garments of the deceased.
- Never omit to search for glass fragments, paint flakes, traces of metals, stains of oil, grease, dust, etc. on deceased's clothing.
- If the suspected vehicle is recovered from a place other than the scene of accident, never omit a search for typical vegetation, mud, soil, dust etc. that may belong to the scene.

16- Suspected Poisoning Cases.

- Never forget that in a case of suspected poisoning the victim certainly should be in unhealthy and illness condition.
- Always confirm evidence of procuring, possessing, administration of poison and its presence in the victim in harmful amount.
- Always look for any vomit material at the crime scene or on the deceased's clothing with peculiar odor of the poison.
- Never omit to search container of poison, wrapper of medicine, syringes, etc. at the crime scene or adjoining areas.
- Always make a search for evidence of taking poison such as utensils stained with traces of poison or remnant of food, alcohol or cold drink.
- Always look for any specific odor coming out from mouth of the deceased or presence of bloody froth at the mouth and nostrils.
- If the victim has been hospitalized, never forget to ask the doctor who attended him or her to provide details of treatment given.
- Never leave the death from poisoning or suspected poisoning which out a postmortem examination.
- Never omit to get postmortem exhibits such as viscera, blood stomach contents, duly preserved for toxicological examination.
- Never forget to ensure that the bones, nails or hairs are preserved by the medical officer for suspected arsenic poisoning.
- If some poison has been administrated by a syringe, then never forget to ask the medical officer to preserve the skin of the injected area for the examination.

17- Firearm Cases

- Never forget to ensure whether the firearm is loaded or otherwise before handling to it.
- Always handle the fire arm carefully so that possible fingerprints on it may not be spoiled.

- Never forget that in a suicide case, the firearm must be near to the dead body, in some cases it may also be found in the working hand of the deceased.
- Remember, if the firearm is found at the considerable distance from the dead body then the story may be different than suicide.
- Never omit to observe the signs of burning, charring, blackening, singeing, tattooing etc. around the entry wound.
- Always remember that gunshot residues may be found on the victim's hand, body, clothing and objects around the target. Ensure that the same have duly been collected.
- Remember the firearm may contain blood, charred hairs, piece of skin, and flesh in case of contact fire.
- Never lift empty cartridges, bullets, etc with a metal forceps because such act may develop new marks on them.
- Always ensure that the gunshot wound is at accessible parts of the body, especially in suicidal cases.
- Do not hesitate to ask the medical officer to locate the exact position of the bullet or pellets in the body, which are not recoverable.
- Remember the barrel of firearm must be protected by capping instead of plugging with cotton or cloth.
- Never forget to note the make, model caliber and serial number of the firearm before its packaging.

18- Explosion Cases

- Never enter into the site of explosion casually as it may still have unexploded devices.
- Never examine an explosion crime scene without assistance of the forensic or explosive expert.
- Never handle the live bombs or explosive devices. In such cases, help of bomb disposal squads should always be taken.
- Never allow any person other than expert to move or handle any unknown object at the site until proved otherwise.
- Never allow any lighted or smoking material to be brought nearby area having suspected bomb or explosive device.
- Never omit to search suspect's clothing, shoes, the vehicle involved, house or working place for the traces of explosive materials.
- Never omit to make search evidence relating to storage of chemicals and other activities such as manufacture or assembling of explosive devices at the victim's office, residence or workshop.
- Always remember that initiating and detonating devices should be packaged separately.
- Never send dangerous explosives such as mercury fulminate or lead aside for examination, even with special messenger and should be examined at the site only.

- Always keep country made bomb submerged in water for at least seventy two hours and should be transported in a container filled with water.

19- House Breaking Cases

- Always ask to the fingerprint expert to visit the crime scene of cases of house breaking for locating, developing and lifting of possible fingerprints.
- Never omit to look for tool marks on doors, windows, footprint and shoeprints on the floor, tyre marks around the house or shop**.**
- Never overlook presence of cigarette or bidi stubs, pan masala pouches at the crime scene.
- Always look for any object or tool belonging to the culprit left by him at the crime scene.
- Remember, the culprit may often leave liquor bottle, disposable glasses, eating material with a carry bag or news paper at the nearby place.
- Never omit to search for traces of specific materials from the stolen property that may be found on suspect's clothing, shoes or the vehicle used.
- If the tool is recovered from the suspect always look for traces of paints, distemper which are often get transferred on it from the door, window, wall almirah, etc.
- Never forget to take the specimen of fingerprints, footprints, shoeprints or tier marks from the suspect and his shoes and vehicle.
- Never omit to use proper scale during photography of footprints, shoeprints, tier marks and tool marks.

20- Arson and Fire Cases

- Never consider a fire case as an accident at the preliminary stage unlesss proves so.
- Never omit to take photographs of entire scene covering extent of damage, smoke pattern, and presence of foreign material and probable seat of fire.
- Never hesitate to ask the owner of building to provide building plan showing various rooms, doors, windows, lift and other structures.
- Never omit to take assistance from the relevant expert during the inspection of electrical installations, heating appliances and other burnt materials.
- Never omit to get information about the approximate time when the fire initiated and it was extinguished.
- Never overlook the possibility of footprints, shoeprints, tool marks at the point of entry and exit.
- Never omit collect burnt residues of the fire initiator. Such as fuse cord remnant of explosive device and counterpart of remote control device.
- Never overlook characteristic smell of explosive, chemical or inflammable material found the scene of fire.
- Always collect the soil surface debris, deposited smoke ash and burnt cloth or paper as they may carry traces of inflammable materials such as petrol, diesel or kerosene.

- Do not hesitate to take assistance of an electrical engineer, if the tempering of electrical installation found.
- All the exhibits that likely to contain traces of inflammable material should always be packaged in airtight polythene or plastic bags.

21- Counterfeit coins and Currency

- Remember counterfeit coins generally produce different sound and do not ring well due to presence of copper and its alloys.
- Never omit to collect the genuine coins along with finished counterfeit coins from the crime scene or possession of the culprit.
- Never overlook, possibility of fingerprints of the suspect on articles such as copper or zinc plate us used for making blocks, photographic plates or films, printing paper, etc.
- Never forget to collect printing papers, especially cut to the various sizes of notes.
- Never omit to look for presence of footprints and shoeprints on the floor of the premises especially at the routes of entry and exit.
- Never overlook the presence of writing implements such as pens, pencils, litho-pencils and painting brushes.
- Always make a search for traces of colors and inks on the suspect's clothing, hair and especially in the finger nails.

22- Questioned Documents

- Always avoid careless and frequent handling of delicate documents. If required, photocopies should therefore, be used for the purpose.
- Never expose documents to strong sunlight, heat and moisture as they may become worn, wrinkled or mutilated.
- Never introduce unnecessary new folds and be carried in the pocket.
- Remember no punching or pinning should be done. It required, paper clips should be used in making a file.
- Never underline any part of the document. If required, such parts may be put in a circle that least likely to interface with the original writing.
- Always write the details about the seizure on the reverse side of the document.
- Never forget to study all handwritings, typewriting, printings and seal impressions carefully.
- Never omit to note the condition of the document such as burned, torn or mutilated.
- Always look for marks of indentation on subsequent page of the document.
- Take the specimen handwriting in presence of a magistrate and if possible , get each sheet be certified by him.
- Never forget to give dictation in show, medium and fast speeds.
- Never show the questioned document to the suspect.

23- Crimes Involving Electronic Evidence

- Always adopt general forensic and procedural principles while dealing with the electronic evidence.
- Never omit to take assistance of a trained person while conducting the search, collection and preservation of the electronic evidence.
- Never omit to ensure that no change take place in the status of the evidence.
- Always avoid to touch the keyboard or click the mouse as an attempt to recover data or explorer the contents from the computer.
- Never omit to obtain information about the purpose of the system from the person concerned.
- Never forget to know the name of owner and users of electronic devices along with the passwords required to access the system.
- Always get information about any office data storage and unique security scheme of destructive device or documentation explaining the hardware or software installed on the system.
- Never omit to record all the actions that taken place at the scene regarding the monitor, computer machine, printer and other peripherals.
- Always take photograph of the monitor screen and record information displayed.
- Always remove the power4 source cable from the computer instead from the wall outlet.
- Never omit to record the make, model and serial numbers of all the devices.
- Always mark and label all connectors and cable ends before packaging to allow for exact reassembly required in later stages.
- Remember that the magnetic media should always be packaged in an antistatic container such as paper or plastic bags.
- Always package more than one computer systems separately, so that they can be reassembled as found.

24. DNA Profiling

- Remember the tiniest part of a biological material could be vital for DNA profiling.
- Biological materials from a dead body of a living person should always be collected by the medical officer only.
- Never forget to keep wet biological material refrigerated at $4^{0}C$ temperature and submit them to the laboratory at the earliest.
- Never omit to air dry the swabbed blood and clothing bearing wet bloodstains prior to packaging.
- Wet blood samples must be preserved in a suitable anticoagulant such as EDTA.
- Never package clothing or objects carrying wet bloodstains in an airtight container or plastic bags.
- Never omit to preserve the integrity of biological specimen during packaging and transportation.
- Never hesitate to send the vehicle its own to the laboratory for examination, if the same carry traces of blood on it.
- Remember, the undergarments, bed sheets, pillow covers and other

movable objects carrying seminal stains should be collected as it is and allowed to air dry prior to packaging.

- Never forget to ask the medical officer about collection of seminal evidence such as vaginal slide, pubic hairs, etc. from the victim of sexual assault.
- Always collect plucked, pulled out or fallen hairs for DNA profiling.
- Cut hairs being dead material are useless for the purpose.
- Never forget to collect at least 10 to 20 hairs with root for the successful results.
- Always collect/each group of hairs with respect to their origin in separate packaging.
- Never forget that hairs mixed with blood, tissue, semen should always be allowed to air dry before packaging.
- Never forget to ask the autopsy surgeon about the collection of postmortem samples for DNA profiling, if required for the investigation.

25- Diatom Examination

Diatoms are unicellular algae which have inert coating of silicon around them. These are found in all natural water sources, especially in pond water, a lagoon and other sources where the water is stagnant. In the frequently polluted water by chemicals and industrial refuge there presences is less frequent.

When a person falls in water and inhales water, the alveoli get distended with water and air. The alveolar walls then get ruptured exposing the capillaries which are also ruptured along with. The water containing diatom then enters the blood circulation and diatoms are carried to distant organs and tissues such as brain, bone marrow, etc. When the dead body is remove from water, if diatoms are found in tissues of some distant organs, it strongly supports me death due to drowning. For diatom examination, non-contaminated femur or tibia bone of about 2x3 cm length is required along with sample of water from submersion area. If dead body is recovered from a place where water is dried then the dry soil may be collected as control sample.

Significance : Diatom examination can provide the following valuable information about the case:

- If the diatoms are not found in both the test sample i.e. bone and the sample of water then no conclusion about the drowning can be drawn.
- If diatoms are found present only in bone, not in water sample then it can be concluded that the diatoms entered the body tissue of the deceased during the usual process of drinking water which contained diatoms.
- If diatoms are not found in the bone even if drowning was ante mortem and the water contained diatoms, this situation indicates that person was died due to shock before submersion took place.
- It diatoms are present in both test samples of bone and water, then it strongly presumed that drowning was ante mortem in nature and occurred in that water. This could also be possible if the victim was; habituated to drink water from the same source during life.

- If the bone is found negative for diatom and the water sample? positive then it can be concluded that the person is thrown into water after death.

Inspite of chances of fallacy, if similar diatoms are available, both in the bone tissue and the water sample the, it acts as a strong evidence regarding due drowing.